कानपुर देहात,
शनिवार, 10 जुलाई, 2021
वर्ष: 06 अंक: 281
मूल्य: 1+1=2 रू
पृष्ठ: 8
R.N.I.NO.
UPHIN/2015/64600

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
अमन यात्रा

कानपुर देहात एवं गुजरात से प्रकाशित दैनिक समाचार प
डी ए वी पी (भारत सरकार) से विज्ञापन प्रकाशन हेतु मान्यता प्राप्

8707095473
www.amanyatralive.com, www.amanyatra.in

अमन यात्रा | उत्तर प्रदेश | कानपुर देहात,

मधुमक्खियों के अनुकूल पौधों का रोपण एवं संवर्धन परियोजना का शुभारंभ

अमन यात्रा ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज मधुमक्खियों के अनुकूल पौधों का रोपण एवं संवर्धन परियोजना के शुभारंभ अवसर पर एक दिवसीय वर्चुअल सेमिनार का आयोजन किया गया। इस वर्चुअल सेमिनार की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह ने की जबकि भारत सरकार के कृषि एवं उद्यान आयुक्त डॉ एसके मल्होत्रा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि मधुमक्खी पालन एक ऐसा व्यवसाय है जिससे किसानों की आमदनी में बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि देश में लगभग 1.25 लाख मैट्रिक टन शहद का उत्पादन किया जा रहा है। जबकि 67 हजार 500 मैट्रिक टन शहद का निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड भारत सरकार द्वारा देश के 17 केंद्रों पर मधुमक्खी पालन परियोजना संचालित है। जबकि मधुमक्खी की गुणवत्ता परखने हेतु 100 मिनी परीक्षण प्रयोगशाला भी सुचारू रूप से चल रही है। डॉक्टर मल्होत्रा ने छात्र-छात्राओं को सुझाव दिए कि मधुमक्खी पालन पर शोध करें। जिससे शहद का उत्पादन एवं उत्पादकता में बढ़ोत्तरी हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने कहा कि मध्य उत्तर प्रदेश में सरसों की खेती बड़े स्तर पर होती है। मधुमक्खी पालन व सरसों का समायोजन होगा तो अवश्य ही सरसों के उत्पादन और शहद के उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने कहा कि शोध द्वारा पाया गया है कि मधुमक्खी के परागण किया द्वारा सरसों में कि 43 प्रतिशत उत्पादन अधिक हुआ है।डॉ सिंह ने कहा कि छात्र मधुमक्खी पालन पर शोध करेंगे तो अवश्य अपना उद्यम स्थापित कर सकेंगे। साथ ही परियोजना के माध्यम से मधुमक्खी पालकों को जागरूक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त छात्रों से कहा की जैविक कीट नियंत्रण के लिए मित्र कीटों पर भी शोध करने की आवश्यकता है।तत्पश्चात कार्यक्रम के अंत में मधुमक्खियों को आकर्षित करने वाले पौधे जैसे जामुन, यूकेलिप्टस का माननीय कुलपति महोदय द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ वाई पी मलिक ने किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद डॉ राम सिंह उमराव ने दिया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह, निदेशक शोध डॉक्टर एच जी प्रकाश सहित अन्य संकाय सदस्य एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

(डॉ खलील खान) मीडिया प्रभारी
चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

जन एक्सप्रेस

/janexpresslive

लखनऊ, रविवार, 11 जुलाई, 2021, वर्ष : 12, अंक : 266, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित तथ्यपरक हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

प्राकृतिक संतुलन के लिए पौधारोपण जरूरी

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है इससे हमारे आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा, शुद्ध जल के साथ ही शुद्ध वातावरण प्राप्त हो सकेगा पौधारोपण के बाद इसका संरक्षण भी आवश्यक है यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देश के क्रम में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर मे शनिवार को हुए पौधारोपण कार्यक्रम के अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने कही। इस अवसर पर अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. महक सिंह ने कहा कि पेड़ पर्यावरण को शांत रखते हुए गर्मी के असर को भी कम करने में मददगार होते हैं। पक्षी पेड़ों पर घोंसलो का निर्माण करते हैं जिससे उन्हें आश्रय मिलता है। उन्होंने कहा कि पेड़ों पर लगने वाले फल पक्षियों, जानवरों और मनुष्यों का भोजन होते है साथ ही मिट्टी के कटाव को रोकने में वृक्षों की अहम भूमिका है पेड़ मिट्टी के कणों को अपनी जड़ों में बांध कर रखते हैं। इस अवसर पर 50 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर डॉ. श्वेता यादव, डॉ. एस. के. विश्वास, डॉ. संजय सिंह, डॉ. लोकेंद्र सिंह सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

अमर उजाला
रविवार • 11.07.2021
06

सीएसए में हुआ पौधरोपण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग में शनिवार को पौधरोपण किया गया। इस मौके पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह, डॉ. महक सिंह, डॉ. श्वेता यादव, डॉ. एसके विश्वास, डॉ. संजय सिंह आदि मौजूद रहे। (संवाद)

आज
कानपुर
11 जुलाई 2021
5

सीएसए में 50 पौधरोपण, वृक्षों के महत्व पर चर्चा

कानपुर, 10 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने कहा कि प्राकृतिक संतुलन के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। इससे हमारी आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा, शुद्ध जल एवं शुद्ध वातावरण प्राप्त हो सकेगा। पौधारोपण के बाद इनका संरक्षण भी बहुत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ महक सिंह ने बताया कि पेड़ पर्यावरण को शांत रखते हुए गर्मी के असर को भी कम करने में मददगार होते हैं। साथ ही पक्षी पेड़ों पर घोंसला का निर्माण करते हैं जिससे उन्हें आश्रय मिलता है। उन्होंने बताया कि पेड़ों पर फल लगते हैं जो पक्षियों, जानवरों व मनुष्यों के लिए भोजन है। इसके अलावा वृक्ष मृदा कटाव को रोकते हैं। पेड़ मिट्टी के कणों को यह अपनी जड़ों में बांध कर रखते हैंउन्होंने आम जनमानस से कहा कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखा जा सकता है। इस अवसर पर 50 पौधों का रोपण किया गया इस अवसर पर डॉ श्वेता यादव ,डॉ एसके विश्वास, डॉ संजय सिंह, डॉ लोकेंद्र सिंह सहित् समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

पौधरोपण करते शिक्षक।

सीएसए परिसर में चला पौधरोपण अभियान

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के तत्वावधान में शनिवार को विवि परिसर में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर 50 पौधों का रोपण किया गया। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ.धर्मराज सिंह ने इस अवसर पर कहा कि प्राकृतिक संतुलन के लिए पौधरोपण बहुत आवश्यक है। इससे हमारी आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा, शुद्ध जल एवं शुद्ध वातावरण प्राप्त हो सकेगा।

सीएसए कृषि विवि परिसर में चला पौधरोपण अभियान

अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ.महक सिंह ने कहा कि पेड़ पर्यावरण को संतुलित रखते हुए गर्मी के असर को भी कम करने में मददगार होते हैं। पेड़-पौधों पर पक्षियों को आश्रय मिलता है व फल से पक्षियों, जानवरों व मनुष्यों को भोजन। इससे अलावा पेड़ मृदा का कटाव भी रोकते हैं। पेड़ मिट्टी के कणों को अपनी जड़ों में बांध कर रखते हैं। पौधरोपण कार्य में डॉ.श्वेता यादव, डॉ.एसके विश्वास, डॉ.संजय सिंह, डॉ.लोकेन्द्र सिंह सहित अन्य लोगों ने भागीदारी की।

www.facebook.com/worldkhabaarexpress www.twitter.com/worldkhabaarexpress www.youtube.com/worldkhabaarexpress

WORLD ख़बर EXPRESS

WORLD ख़बर एक्सप्रेस

10 जुलाई 2021, शनिवार www.worldkhabarexpress.media MID DAY E-PAPER www.worldkhabarexpr

सीएसए में रोपे गए 50 पौधे

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने कहा कि प्राकृतिक संतुलन के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। इससे हमारी आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा, शुद्ध जल और शुद्ध वातावरण प्राप्त हो सकेगा। पौधारोपण के बाद इनका संरक्षण भी बहुत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. महक सिंह ने बताया कि पेड़, पर्यावरण को शांत रखते हुए गर्मी के असर को भी कम करने में मददगार होते हैं। साथ ही पक्षी, पेड़ों पर घोसले का निर्माण करते हैं जिससे उन्हें आश्रय मिलता है। उन्होंने बताया कि पेड़ों पर फल लगते हैं जो पक्षियों, जानवरों व मनुष्यों के लिए भोजन है। इसके अलावा वृक्ष, मृदा कटाव को रोकते हैं। पेड़, मिट्टी के कणों को यह अपनी जड़ों में बांध कर रखते हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखा जा सकता है। इस अवसर पर 50 पौधों का रोपण किया गया। यहां डॉ. श्वेता यादव, डॉ. एसके विश्वास, डॉ. संजय सिंह, डॉ. लोकेंद्र हि सहित समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

RNI-NO-UTTBIL/2007/20700

वर्ष:12 | अंक:192 | देहरादून, शनिवार, 10 जुलाई, 2021 | पृष्ठ:08 | मूल्य:2/रु. प्रति

3

सीएम आवास कूच करते कांग्रेसी गिरफ्तार

सीएसए विवि परिसर में प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने को किया पौधारोपण

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया इस अवसर पर अभिष्ठाता कृषि संकाय डॉ० धर्मराज सिंह ने कहा कि प्राकृतिक संतुलन के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है इससे हमारी आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा, शुद्ध जल एवं शुद्ध वातावरण प्राप्त हो सकेगा पौधारोपण के बाद इनका संरक्षण भी बहुत महत्वपूर्ण है इस अवसर पर अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ महक सिंह ने बताया कि पेड़ पर्यावरण को शांत रखते हुए गर्मी के असर को भी कम करने में मददगार होते हैं साथ ही पक्षी पेड़ों पर घोंसला का निर्माण करते हैं जिससे उन्हें आश्रय मिलता है उन्होंने बताया कि पेड़ों पर फल लगते हैं जो पक्षियों, जानवरों व मनुष्यों के लिए भोजन है इसके अलावा वृक्ष मृदा कटाव को रोकते है पेड़ मिट्टी के कणों को यह अपनी जड़ों में बांध कर रखते हैं उन्होंने आम जनमानस से कहा कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखा जा सकता है इस अवसर पर 50 पौधों का रोपण किया गया इस अवसर पर डॉ० श्वेता यादव, डॉ एस०के० विश्वास, डॉ० संजय सिंह, डॉ० लोकेंद्र सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।